...में शामिल होंगे।

राज-रंग
दैनिक भास्कर, जयपुर, रविवार, 20 मार्च, 2022

रणथंभौर में करीब 50 बाघ गायब हैं, क्या वन विभाग लापता बाघों का ब्यौरा सार्वजनिक करेगा... बेघर करें हैं वन विभाग ने बाघों का बहाना लेकर। उजड़े घरों का हिसाब तो देना होगा। -विज...

मिला रोजगार: राजस्थान के करीब 1400 रजिस्टर्ड स्टार्टअप्स से 13,456 लोगों को नौकरियां मिलीं

स्टार्टअप घटे-फंडिंग बढ़ाई : प्रदेश में 4 साल में अप्रूव्ड स्टार्टअप 513 से 155 रहे...पर पहली बार 100 से ज्यादा को 6.83 करोड़ की फंडिंग

भास्कर न्यूज | जयपुर

प्रदेश में 4 साल में स्टार्टअप को अप्रूवल देने में 70 प्रतिशत की कमी आ गई है। 2018-19 में जहां 513 स्टार्टअप्स अप्रूव्ड हुए थे, वे 2021-22 में 155 रह गए हैं। लेकिन दूसरी ओर सरकार ने स्टार्टअप्स को फंडिंग का दायरा बढ़ा दिया है। पहली बार 100 से ज्यादा स्टार्टअप्स को फंड दिया गया। नतीजा यह निकला कि प्रदेश के करीब 1400 रजिस्टर्ड स्टार्टअप्स ने 13,456 लोगों को नौकरियां दी हैं।

इस साल 125 को फंडिंग, मिलेंगे 6.83 करोड़ रु.

2018-19 में 513 स्टार्टअप्स को अप्रूव्ड किया गया था। इनमें से 74 को फंडिंग के रूप में सरकार से 5.59 करोड़ रुपए मिले थे। इसके बाद अप्रूव्ड स्टार्टअप्स की संख्या में गिरावट आई। 2020-21 में तो कोरोना की वजह से फंड नहीं दिया गया, लेकिन अब इस साल 125 स्टार्टअप्स को फंडिंग के लिए सेंक्शन मिली है, जिन पर करीब 6.83 करोड़ रुपए खर्च होंगे। सबसे ज्यादा स्टार्टअप्स जयपुर में चल रहे हैं। चैलेंज फॉर चेंज के तहत डीओआईटी द्वारा 1 करोड़ तक के कार्यादेश बिना टेंडर के सीधे ही युवाओं को दिए जाते हैं। राज्य सरकार ने अपने विभागों, निगमों और बोर्डों को ई-बाजार पोर्टल में पंजीकृत स्टार्टअप से 15 लाख रुपए तक की वस्तुओं को खरीदने के आदेश जारी कर दिए हैं। ई-बाजार पोर्टल पर फिलहाल करीब 150 स्टार्टअप अपने उत्पाद बेच रहे हैं।

वर्ष	स्टार्टअप	फंडिंग	राशि
2018-19	513	74	5.59 करोड़
2019-20	257	27	32.40 लाख
2020-21	190	00	00
2021-22	155	125	6.83 करोड़

10 हजार रु. महीने अनुदान से लेकर 25 लाख तक लोन

सरकार ने नई पॉलिसी के अनुसार आइडिया/ प्रोटोटाइप चरण में योग्य स्टार्टअप को सस्टेंस अलाउंस के रूप में 10 हजार रुपए प्रतिमाह 1 साल तक देने का प्रावधान किया है। फिर कोविड राहत सीड अनुदान में स्टार्टअप को परियोजना मूल्यांकन व क्यूरेट स्कोर के आधार पर 5 लाख का अनुदान दिया जाता है। सीड फंडिंग में 2 लाख तक ऋण दिया जाता है। जिन स्टार्टअप को किसी भी मान्यता प्राप्त वेंचर कैपिटल फंड से वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो उसे क्यूरेट स्कोर के आधार पर 25 लाख रुपए तक का लोन दिया जाता है।